IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

Industrial Development And Possibilities In District Lucknow : A Geographical Study

:- जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास एवं संभावनाएं : एक भौगोलिक अध्ययन -:

Dr. Amit Kumar Gupta (Assistant Professor), Department of Geography, GIS and Remote Sensing, National Post Graduate College (Affiliated Autonomous College of University of Lucknow) Hazratganj, (Lucknow)

Satyendra Kumar Bharti (Research Scholar), Department of Geography, GIS and Remote Sensing, National Post Graduate College, (Affiliated Autonomous College of University of Lucknow) Hazratganj (Lucknow)

:- सारांश (Abstract) :

औद्योगिक विकास निरंतर चलने वाली एक प्रक्रिया है। जब मानव जाति की आवश्यकताएं बढ़ती है तो उन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रकार के वस्तुओं का उत्पादन किया जाना आवश्यक हो जाता है अतः इन वस्तुओं का उत्पादन विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के माध्यम से किया जाता है। इन औद्योगिक इकाइयों को एक निश्चित क्षेत्र में स्थापित किया जाता है साथ ही इन क्षेत्रों के आसपास विभिन्न प्रकार के संबंधित एवं सहायक औद्योगिक इकाइयां भी स्थापित की जाती है परिणामस्वरूप मानव जाति का आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं भौतिक विकास होता है। मानव जाति के आर्थिक विकास का मूल औद्योगिक विकास में निहित है। औद्योगिक विकास आर्थिक विकास की एक प्रक्रिया है जो नवाचार प्रणाली को बढ़ावा देती है; तथा मानव जाति के आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग प्रदान करती है।

जनपद लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर के साथ ही औद्योगिक विकास का भी एक महत्वपूर्ण केंद्र है । इस शोध पत्र में जनपद लखनऊ में हुए औद्योगिक विकास और उसकी संभावनाओं का अध्ययन किया गया है। जनपद लखनऊ में पाए जाने वाले प्रमुख उद्योगों में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, हस्तशिल्प उद्योग, टेक्सटाइल उद्योग, चमड़ा उद्योग जैसे पारंपरिक उद्योग है वही आधुनिक उद्योगों में इलेक्ट्रॉनिक्स और रसायन उद्योग तथा विनिर्माण उद्योग प्रमुख हैं।

जनपद लखनऊ के औद्योगिक विकास में बुनियादी ढांचे की कमी, पूंजी की कमी, व्यापक कार्य योजना का अभाव, पर्यावरण की समस्याएं, समेकित औद्योगिक नीति का अभाव प्रमुख चुनौतियां हैं हालांकि सरकारी नीतियां और प्रोत्साहन, शिक्षा और कौशल विकास, स्मार्ट सिटी योजना, मेगा टेक्सटाइल पार्क, एक जिला एक उत्पाद जैसी विभिन्न उद्योगों को प्रोत्साहन देने वाली योजनाएं तथा डिजिटल प्रौद्योगिकी का प्रयोग जैसी संभावनाएं आने वाले समय में जनपद लखनऊ को औद्योगिक विकास के एक बड़े हब के रूप में स्थापित कर सकती हैं। उचित सरकारी नीतियों, व्यापक कार्य योजना, समेकित औद्योगिक नीति, बुनियादी ढांचे में सुधार, रोजगारपरक शिक्षा, लघु एवं मध्यम उद्यमियों को प्रोत्साहन और स्थानीय प्रतिभाओं का विकास के साथ जनपद लखनऊ प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में एक प्रमुख औद्योगिक हब के रूप में उभर सकता है, सरकार, स्थानीय प्रशासन , उद्योगपतियों, नियम निर्माता और स्थानीय लोगों के सहयोग से अगर एक समेकित कार्य योजना के साथ कार्य किया जाए तो जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं व्याप्त है।

प्रस्तुत शोध पत्र में प्राथमिक तथा द्वितीयक स्रोत से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग किया गया है। इस शोध पत्र में चिन्हित प्रमुख औद्योगिक स्थल एवं संभावित औद्योगिक स्थलों को यथास्थान मानचित्र एवं तालिकाओं द्वारा प्रदर्शित किया गया है । प्रस्तुत शोध पद अनुसंधान की विभिन्न विधियों पर आधारित है जिनमें गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों अनुसंधान दृष्टिकोण को शामिल किया गया है।

:-मुख्य शब्द (Key words) :

औद्योगिक विकास

रोजगार सृजन

औद्योगिक विकास की संभावना

आर्थिक विकास

योजना एवं नीतियां

:- प्रस्तावना (Introduction) : किसी क्षेत्र, प्रदेश या देश के संपूर्ण आर्थिक विकास के लिए उस क्षेत्र, प्रदेश या देश का औद्योगिक विकास की दृष्टि से विकसित होना अति महत्वपूर्ण है। इसी संपूर्ण आर्थिक एवं औद्योगिक विकास को केंद्र में रखकर ही प्रस्तुत शोध पत्र लिखा गया है। जनपद लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी न सिर्फ अपने समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए विश्व विख्यात है बल्कि यह क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में भी अपनी अलग पहचान बना रहा है अपने रणनीतिक स्थान, सुविधाजनक आवागमन और विभिन्न प्रकार के संसाधनों के साथ इस जनपद में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं व्याप्त हैं। वर्तमान समय में जनपद लखनऊ में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, हस्तशिल्प उद्योग, टेक्सटाइल उद्योग, चमड़ा उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रसायन उद्योग तथा विनिर्माण उद्योग अच्छी तरह से स्थापित हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रहे हैं। इसके बावजूद जनपद लखनऊ के औद्योगिक विकास के

क्षेत्र में आधारभूत ढांचे की कमी, पूंजी की कमी, व्यापक कार्य योजना का अभाव, समेकित औद्योगिक नीति की कमी, बिजली एवं पानी का अभाव तथा पर्यावरण समस्याएं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य जनपद लखनऊ में वर्तमान समय में हुए औद्योगिक विकास की स्थिति का विश्लेषण करना, औद्योगिक विकास के क्षेत्र में प्रमुख चुनौतियों की पहचान करना और भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करना है। यह शोध पत्र न केवल जनपद लखनऊ के उद्योगों की विशेषताओं और समस्याओं को सामने लाएगा बल्कि औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक संभावित कार्य योजना और नीतियों का भी सुझाव प्रदान करेगा। इस शोध पत्र को लिखने के लिए शोध विधियों के रूप में मिश्रित शोध विधि जैसे गुणात्मक तथा मात्रात्मक शोध दृष्टिकोणों का उपयोग किया गया है। आंकड़ा प्राप्ति के स्रोत के रूप में प्राथमिक और द्वितीय स्रोतों का उपयोग किया गया है। प्राथमिक स्रोत के रूप में क्षेत्र सर्वेक्षण, व्यक्तिगत साक्षात्कार, मामले का अध्ययन तथा द्वितीयक स्रोत के रूप में दस्तावेजों का अध्ययन, पत्र पत्रिकाएं, सरकारी प्रकाशन आदि का उपयोग किया गया है। इस शोध अध्ययन से प्राप्त निष्कर्ष नीति निर्माताओं, उद्योगपतियों और स्थानीय प्रशासन के लिए मार्गदर्शन का काम करेंगे जिससे जनपद लखनऊ को प्रदेश ही नहीं बल्कि देश का एक प्रमुख औद्योगिक स्थल के रूप में विकसित किया जा सकेगा।

प्रस्तुत शोध पत्र के माध्यम से जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास की दिशा और उसकी संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई है जो भविष्य में क्षेत्रीय और राष्ट्रीय आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम साबित होगा।

:- अध्ययन क्षेत्र (Study Area) :

= ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : जनपद लखनऊ (historical background : district Lucknow) : जनपद लखनऊ, भारतवर्ष के उत्तरी राज्य उत्तर प्रदेश का एक प्रमुख सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं उभरता हुआ औद्योगिक नगर है। साथ ही जनपद लखनऊ उत्तर प्रदेश राज्य का राजधानी नगर भी है । जनपद लखनऊ प्राचीन कौशल राज्य का हिस्सा रहा है । यह भगवान राम की विरासत थी जिसे उन्होंने अपने भाई लक्ष्मण को समर्पित कर दिया था। इस जनपद को लक्ष्मण के नाम पर लक्ष्मणावती, लक्ष्मणपुर या लखनपुर के नाम से जाना गया जो बाद में बदलकर लखनऊ हो गया।

लखनऊ का नाम कैसे पड़ा इस पर विद्वानों में मतभेद है। मुस्लिम इतिहासकारों के मतानुसार बिजनौर के शेख यहां आए और 1526 A.D. में बसे तथा रहने के लिए उस समय के प्रसिद्ध वास्तुविद् लखना पाँसी की देखरेख में एक किला का निर्माण करवाया जो लखनऊ किला के नाम से जाना गया। समय के साथ धीरे-धीरे लखना किला के नाम पर इस क्षेत्र का नाम लखनऊ में परिवर्तित हो गया। प्राचीन हिंदू साहित्य के अनुसार यहां भगवान राम के सौतेले भाई लक्ष्मण का जन्म हुआ था जिनके नाम पर इस क्षेत्र का नाम लक्ष्मणपुर या लखनपुर पड़ा। समय के साथ बदलते-बदलते लखनपुर (लक्ष्मणपुर) का नाम लखनऊ हो गया जो अधिक सत्य प्रतीत होता है क्योंकि किसी वास्तुविद् के नाम पर आज तक किसी नगर का नाम नहीं रखा गया या पड़ा है।

लखनऊ के वर्तमान स्वरूप की स्थापना नवाब आसिफ़दौला ने सन 1775 ईस्वी में की थी। अवध के शासकों ने लखनऊ को अपनी राजधानी बनाकर समृद्ध किया।

= भौगोलिक पृष्ठभूमि (geographical background) : जनपद लखनऊ, भारतीय गणराज्य के सर्वाधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की राजधानी है। लखनऊ नगर गोमती नदी के किनारे बसा हुआ है। लखनऊ, लखनऊ जिला और लखनऊ मंडल का प्रशासनिक मुख्यालय है। विशाल उतरी गंगा के मैदान के हृदय क्षेत्र में स्थित लखनऊ शहर बहुत से प्रसिद्ध स्थान से घिरा हुआ है जैसे अमराईयों का शहर मलिहाबाद, ऐतिहासिक ककोरीं, मोहनलालगंज, गोसाईगंज, चिनहट और इटौंजा।

जनपद लखनऊ का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 2528 वर्ग किलोमीटर है। जनपद लखनऊ का अक्षांशीय विस्तार 26 डिग्री 30 मिनट से 27 डिग्री 10 मिनट उत्तरी अक्षांश तथा देशांतरीय विस्तार 80 डिग्री 30 मिनट से 81 डिग्री 13 मिनट पूर्वी देशांतर के बीच है। जनपद लखनऊ समुद्र तल से 123 मीटर ऊपर स्थित है। जनगणना 2011 के अनुसार जनपद की कुल जनसंख्या 45,89,838 है जिसमें पुरुष जनसंख्या 23,94,476 तथा महिलाओं की जनसंख्या 21,95,362 है। जनपद लखनऊ का लिंगानुपात 917 (1000 पुरुषों पर 917 महिला) है। जनपद लखनऊ का जनसंख्या घनत्व 1816 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। जनपद लखनऊ का साक्षरता दर 77.30 प्रतिशत है जिसमें पुरुष साक्षरता दर 82.60 प्रतिशत एवं महिला साक्षरता दर 71.50 प्रतिशत है।

जनपद लखनऊ	***विशिष्टताएं***
क्षेत्रफल	2528 वर्ग किलोमीटर
अक्षांशीय विस्तार	26 मि० 30 डिग्री से 27 मि० 10 डिग्री N
देशांतरीय विस्तार	80 डिग्री 30 मि० से 81 डिग्री 13 मि० E
समुद्र तल से ऊंचाई	123 मीटर
कुल जनसंख्या	45,89,838
पुरुष जनसंख्या	23,94,476
महिला जनसंख्या	21,95,362
लिंगानुपात	917/1000 पुरुष पर
जनसंख्या घनत्व	1816 प्रति वर्ग किलोमीटर
साक्षरता दर	77.30%
पुरुष साक्षरता दर	82.60%
महिला साक्षरता दर	71.30%

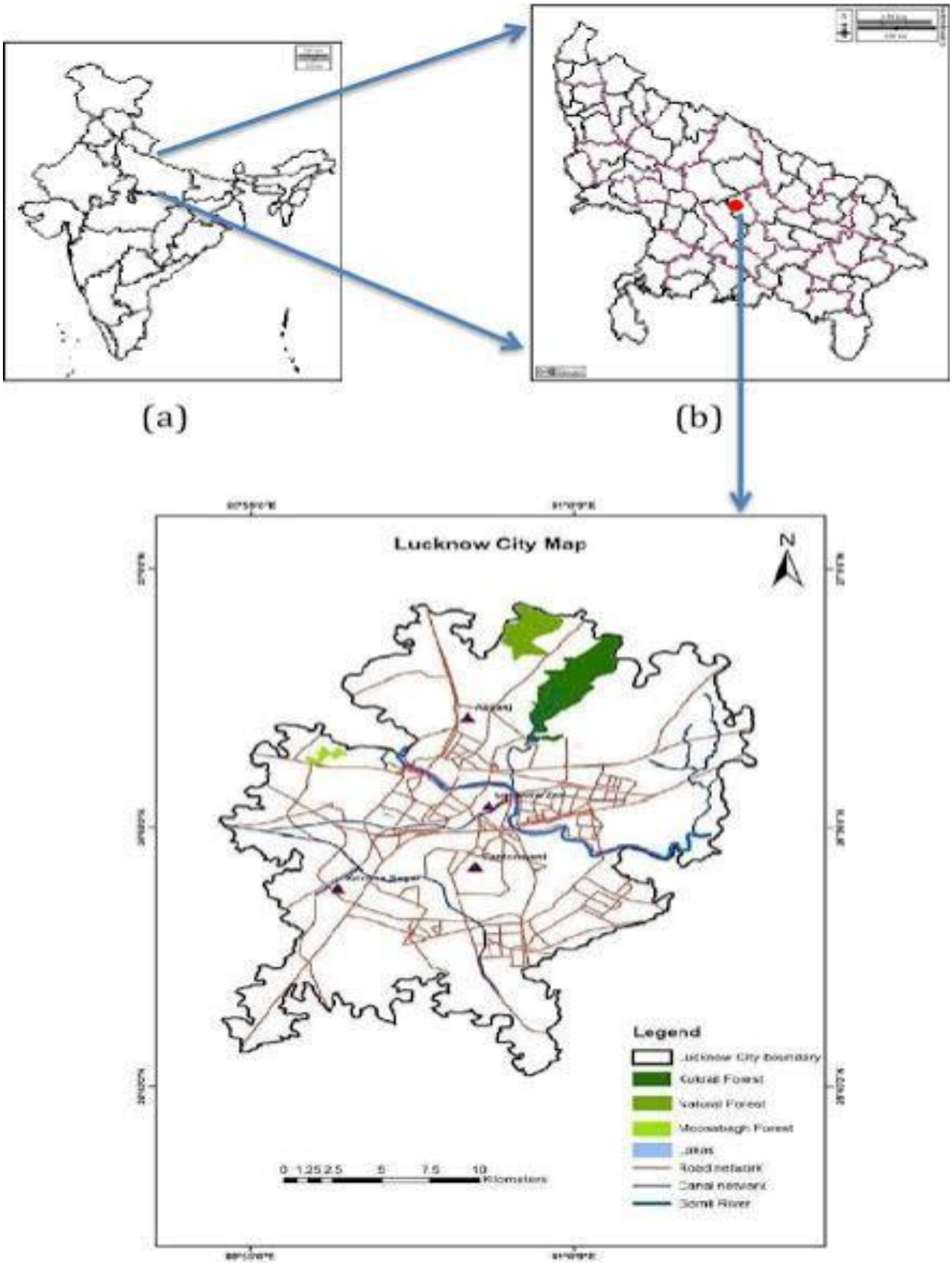
(a)
(b)
Lucknow City Map
N
Legend
0 1.25 2.5 5 7.5 10
Kilometers

:- शोध अध्ययन का उद्देश्य (objective of research study) : जनपद लखनऊ में हुए औद्योगिक विकास एवं संभावनाओं के भौगोलिक अध्ययन के उद्देश्यों को निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से समझाया जा सकता है-

(1) :- औद्योगिक विकास की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करना।

(2) :- औद्योगिक विकास के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों की पहचान करना।

(3) :- औद्योगिक विकास के भविष्य की संभावनाओं का अध्ययन करना।

(4) :- औद्योगिक विकास से संबंधित सरकारी नीतियों और योजनाओं का मूल्यांकन करना।

(5) :- स्थानीय प्रतिभाओं का विकास एवं रोजगार का सृजन करना।

(6) :- औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सुझाव प्रदान करना।

कुल मिलाकर इस शोध अध्ययन का उद्देश्य जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास को एक नई दिशा प्रदान करना और इसे एक प्रमुख औद्योगिक स्थल के रूप में स्थापित करने में सहायक होना है जिससे जनपद के आसपास के लोगों को रोजगार प्राप्त हो सके तथा वह एक अच्छी जिंदगी गुजर बसर कर सके।

:- आंकड़ा प्राप्ति के स्रोत तथा शोध विधि (sources of data and research methodology) : प्रस्तुत शोध पत्र को लिखने के लिए शोध की मिश्रित विधियों जैसे गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध दृष्टिकोणों का प्रयोग किया गया है। इसके अंतर्गत पूर्व निर्धारित परिकल्पनाओं का तात्कालिक परिस्थितियों के संदर्भ में विश्लेषण किया गया है। प्रस्तुत शोध पत्र में प्राथमिक एवं द्वितीय स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों का प्रयोग किया गया है ।प्राथमिक स्रोत के रूप में क्षेत्र सर्वेक्षण, साक्षात्कार, मामले का अध्ययन तथा द्वितीय स्रोतों के रूप में दस्तावेज अध्ययन, पत्र पत्रिकाएं, विभिन्न प्रकार के इंटरनेट साइट्स एवं सरकारी प्रकाशन आदि का प्रयोग किया गया है। तथ्यों को स्पष्ट करने के लिए शोध पत्र में अध्ययन क्षेत्र का भौगोलिक मानचित्र एवं विभिन्न तालिकाओं का प्रयोग किया गया है। औद्योगिक विकास से संबंधित आंकड़ों को जिला उद्योग कार्यालय एवं जिला सांख्यिकीय कार्यालय लखनऊ से प्राप्त किया गया है। प्रस्तुत शोध पत्र में आंकड़ों का विश्लेषण विभिन्न सांख्यिकीय विधियों के माध्यम से किया गया है। इन शोध विधियों के संयोजन से जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास एवं संभावनाओं पर एक व्यापक और विस्तृत अध्ययन किया गया हैं। गुणात्मक और मात्रात्मक आंकड़ों का समग्र विश्लेषण एक सटीक और विश्वसनीय निष्कर्ष निकालने में सहायक सिद्ध हुआ है।

:- जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास का स्वरूप (the nature of industrial development in district Lucknow):

:- जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास का इतिहास : जनपद लखनऊ उत्तरी भारत का एक प्रमुख बाजार एवं वाणिज्यिक नगर ही नहीं, बल्कि उत्पाद एवं सेवाओं का उभरता हुआ केंद्र भी बनता जा रहा हैं। अभी तक जनपद लखनऊ उत्तर प्रदेश राज्य की राजधानी होने के कारण एवं यहां सरकारी विभाग तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम एवं पहले से चले आ रहे पारंपरिक उद्योग जैसे खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, हस्तशिल्प उद्योग, टेक्सटाइल उद्योग और चमड़ा उद्योग ही रोजगार के प्रधान स्रोत रहे हैं। लेकिन वर्तमान समय में सरकार द्वारा शुरू की गई औद्योगिक

नीति और योजनाओं ने जनपद में आधुनिक उद्योगों की स्थापना के लिए एक मजबूत बुनियादी आधार प्रदान किया है। हाल के वर्षों में राज्य सरकार द्वारा संचालित इन्वेस्ट यूपी प्रोग्राम एवं उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022 ने जनपद लखनऊ के औद्योगिक विकास को एक नया आयाम प्रदान किया है। इन नीतियों एवं योजनाओं के परिणाम स्वरुप जनपद में नए उद्योगों की स्थापना की शुरुआत हुई है जिनमें विनिर्माण उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक एवं रसायन उद्योग प्रमुख हैं।

जनपद लखनऊ के लघु एवं मध्य औद्योगिक इकाइयां चिनहट, सरोजिनी नगर, तालकटोरा, चौक और अमौसी के औद्योगिक क्षेत्र में केंद्रित है। चिनहट औद्योगिक क्षेत्र अपने टेराकोटा और पोर्सलिन उत्पादों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। जनपद लखनऊ में बड़ी औद्योगिक इकाइयों में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, टाटा मोटर्स, एवरेडी इंडस्ट्रीज, स्कूटर इंडिया लिमिटेड, पी.टी.सी. लिमिटेड, पी.एन. इंटरनेशनल एवं बॉयोजेनिक्स आते हैं। संसाधित उत्पादन इकाइयों में दुग्ध उत्पादन, इस्पात रोलिंग, इकाइयां एवं एलपीजी भंडारण आदि प्रमुख हैं।

वर्तमान समय में जनपद लखनऊ में चार बड़े औद्योगिक क्षेत्र हैं जिनमें लघु एवं मध्यम प्रकार के अनेको औद्योगिक इकाइयां संचालित है। जनपद लखनऊ के औद्योगिक क्षेत्र के अंतर्गत शामिल हैं – रूरल इंडस्ट्रियल एस्टेट (तालकटोरा), यूपीएसआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया (चिनहट), सरोजिनी नगर औद्योगिक क्षेत्र, अमौसी औद्योगिक क्षेत्र एवं अन्य छोटे औद्योगिक क्षेत्रों में गोमती नगर, इंदिरा नगर, कानपुर लखनऊ रोड, चंद्रलोक, चौक एवं बरगढ़ आदि हैं।

:- जनपद लखनऊ में पाए जाने वाले प्रमुख उद्योग : जनपद लखनऊ में पाए जाने वाले प्रमुख उद्योग इस प्रकार हैं-

(1) **:- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग (food processing industry) :** जनपद लखनऊ में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एक प्रमुख उद्योग है। जनपद में विभिन्न खाद्य उत्पादों का प्रोसेसिंग और पैकेजिंग की जाती है। शहर में कई लघु एवं मध्यम आकार के खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थित है जिनमें पेप्सीको, नेस्ले और कोका-कोला प्रमुख है। ये खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के बाजारों में अपनी महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं

(2) :- **हस्तशिल्प उद्योग (handicraft industries) :** जनपद लखनऊ में हस्तशिल्प उद्योग का भी काफी विकास हुआ है यह एक पारंपरिक उद्योग है जो वर्षों से चला आ रहा है। जनपद लखनऊ का चिकनकारी उद्योग विश्व प्रसिद्ध है। यह एक लघु उद्योग है जो जनपद के चौक क्षेत्र के घर-घर में फैला हुआ है। चिकनकारी उद्योग में यहां के कारीगरों की कुशलता और उनकी कलात्मकता ने इसे एक विशेष पहचान दिलाई है। केंद्र सरकार के वस्त्र मंत्रालय के टेक्सटाइल कमिटी ने चिकनकारी को भौगोलिक संकेतक के तहत रजिस्ट्रार आफ ज्योग्राफिकल इंडिकेटर के यहां पंजीकृत कर लिया है। इसके अलावा यहां जरी-जरदोजी और हाथों से जूते-चप्पल बनाने का भी उद्योग प्रमुख है।

(3) :- **टेक्सटाइल उद्योग (textile industry) :** टेक्सटाइल उद्योग जनपद लखनऊ के औद्योगिक विकास में एक प्रमुख भूमिका अदा करता है। जनपद में हाथों से वस्त्र बनाने की अनेकों छोटे-बड़े फर्म हैं। जनपद में विभिन्न प्रकार के वस्त्रों का उत्पादन होता है जिनमें पारंपरिक भारतीय और आधुनिक वस्त्र दोनों शामिल है। जनपद में वस्त्रों के बड़े उत्पादक और निर्यातक हैं जिनमें एमएलके एक्सपोर्टर्स, त्रिवेणी चिकन और अदा चिकन आदि प्रमुख हैं।

(4) :- **चमड़ा उद्योग (leather industry) :** जनपद लखनऊ के औद्योगिक विकास में चमड़ा उद्योग का भी काफी योगदान है। चमड़ा उद्योग अपनी गुणवत्ता और विविधता के लिए काफी प्रसिद्ध है। जनपद कानपुर से सटा होने के कारण लखनऊ में भी चमड़े का उद्योग काफी प्रगति किया है। जनपद में चमड़े से विभिन्न प्रकार के साजो-सामान बनाए जाते हैं जिनमें विशेष रूप से हाथों से जूते-चप्पल विशेष हैं।

(5) **:- विनिर्माण उद्योग (manufacturing industry) :** आजादी के बाद से जनपद लखनऊ ने विनिर्माण उद्योग में काफी प्रगति किया है। यहां विभिन्न निर्माण कंपनियां स्थापित है जो विभिन्न प्रकार के यंत्रों एवं साजो-समान का उत्पादन करती हैं। जिनमें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड,(सैन्य साजो-सामान), टाटा मोटर्स, महिंद्रा ऐंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी (परिवहन उपकरण विनिर्माण), एबाट, बॉयोजेनिक्स(चिकित्सा उपकरण), पी.एन. इंटरनेशनल और पीटीसी इंडस्ट्रीज (औद्योगिक सुरक्षा उपकरण तथा अभियांत्रिकी उपकरण) आदि प्रमुख।

(6) **:- इलेक्ट्रॉनिक और रसायन उद्योग (electronics and chemical industry) :** जनपद लखनऊ ने इलेक्ट्रॉनिक और रसायन उद्योग के मामले में भी काफी प्रगति किया हैं। यहां इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र की बड़ी कंपनी आप्ट्रान इंडिया स्थापित है जो इलेक्ट्रॉनिक सामानों का उत्पादन करती है। वही रसायन क्षेत्र की बड़ी कंपनी भारत पेस्टिसाइड की बड़ी इकाई भी जनपद में स्थापित है जो विभिन्न प्रकार के कीटनाशकों का उत्पादन करती है।

:- जनपद लखनऊ के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र एवं उनमें स्थित औद्योगिक इकाइयां : जनपद लखनऊ के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र एवं उनमें स्थापित कुछ प्रमुख औद्योगिक इकाइयां इस प्रकार हैं-

(क):- यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र चिनहट (UPSIDC industrial area chinhat) :

Tata motors private limited

Mahindra and Mahindra private limited

The Coca-Cola company private limited

India pesticides private limited

Meatek food machineries India private limited

Ramachandra Arvind Kumar private limited

Suprabha industries private limited

Omax auto private limited

Mitter fasteners private limited

LD Joshi and company private limited

Goyal enterprises private limited

Radhe-Radhe industries private limited

Aditya automotive application private limited

Bhawani industries private limited

Thermacol and plastic industries private limited

Allentti motors private limited

Bracks India private limited

(ख):- सरोजिनी नगर औद्योगिक क्षेत्र (Sarojini Nagar industrial area) :

Avadh rail infra private limited

Kaipai company private limited

Royal king liquor private limited

Q- line biotech private limited

Shiromani industries private limited

Shri sign industries private limited

CG power and industrial solution private limited

Ganga industries private limited

Micro park logistic private limited

Designs LLP private limited

DayaMalam industries park private limited

(ग):- अमौसी औद्योगिक क्षेत्र(Amausi industrial area) :

Satama industries private limited

Satya infra promoters private limited

Messer's Gajanan agro foods private limited

PN international private limited

Biogenics private limited

Shri Balaji industries private limited

Time stills private limited

India N.A. bread factory private limited

Metal seam company private limited

AIS industries private limited

Aman warehousing private limited

(घ):- रूरल इंडस्ट्रियल एस्टेट तालकटोरा (Rural industrial estate Talkatora) :

R.A. fibre board private limited

Altstone manufacturing private limited

PTC industries private limited

Arindam industries private limited

Prag polymers private limited

Dashmesh ruling Mills private limited

Sandeep industries private limited

Lakshmi industries private limited

Aditya chemical works private limited

Krishna metal industries private limited

Reynbond India private limited

Bharat sabun udham private limited

Bibro damping private limited

Superbike private limited

Markari components private limited

Syntho Pharmaceuticals private limited

(ड):- अन्य औद्योगिक क्षेत्र(other industrial area) :

Indira Nagar- Uptran India private limited

Kanpur Lucknow road- Abbot private limited

Chandralok- Nestle private limited

Bargarh- PepsiCo private limited

Chauk Kshetra- Chickenkari

:- जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास की संभावना : आजादी के बाद से ही जनपद लखनऊ औद्योगिक विकास के मामले में अग्रसर रहा है। विभिन्न सरकारी नीतियों एवं योजनाओं के माध्यम से जनपद को औद्योगिक विकास के मामले में अग्रणी बनाने के लिए कार्य चल रहा है। केंद्र सरकार द्वारा संचालित उद्योगों को प्रोत्साहन करने वाली प्रमुख योजनाएं जैसे स्टार्टअप इंडिया, एक जिला एक उत्पाद योजना एवं स्टैंड अप इंडिया तथा अन्य एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए बनाई गई प्रमुख नीतियां जैसे इन्वेस्ट यूपी प्रोग्राम और उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति- 2022 जनपद के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने में सहायक हो सकते हैं। लखनऊ में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं व्याप्त है और अनेक ऐसे कारक हैं जो जनपद को औद्योगिक विकास के मामले में एक प्रमुख क्षेत्र बना सकते हैं। निम्नलिखित बिंदुओं के आधार पर जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास की संभावनाओं का आकलन किया जा सकता है-

(1) ***:- स्मार्ट सिटी योजना और संरचना विकास (Smart City scheme and infrastructure development) :*** जनपद लखनऊ का स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत चुनाव किया गया है, जो आधारभूत ढांचे में सुधार, उन्नत तकनीक का प्रयोग औद्योगिक क्षेत्र के विकास में सहयोग प्रदान करेगा। बेहतर सड़क, बिजली, जलापूर्ति एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी औद्योगिक विकास के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करेगा जो आने वाले समय में जनपद के औद्योगिक विकास में सहायक साबित होगा।

(2) ***:- एससीआर प्रोजेक्ट और औद्योगिक विकास (SCR project and industrial development) :*** अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एससीआर प्रोजेक्ट (राज्य राजधानी क्षेत्र) का खाका प्रस्तावित किया गया है जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के तर्ज पर विकसित होगा। एससीआर में लखनऊ सहित आठ जिलों को शामिल किया जाना प्रस्तावित है सात अन्य जिले कानपुर, कानपुर देहात, उन्नाव, रायबरेली, बाराबंकी, सीतापुर और हरदोई हैं। एससीआर प्रोजेक्ट के मुर्त रूप लेने पर जनपद लखनऊ का औद्योगिक विकास तीव्र गति से होगा क्योंकि इससे नए औद्योगिक क्षेत्र बनेंगे।

(3) ***:- स्थानीय और राष्ट्रीय बाजारों के लिए कनेक्टिविटी (connectivity to local and international markets) :*** जनपद लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी होने के कारण परिवहन और कनेक्टिविटी का प्रमुख केंद्र है। जनपद लखनऊ सड़क, रेल और हवाई परिवहन के माध्यम से प्रदेश एवं देश के अन्य क्षेत्रों से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है जो इसे बाजारों से जुड़ने में सहायता प्रदान करते हैं। यह व्यापार और निर्यात के लिए एक आदर्श स्थान है।

(4) ***:- मेगा टेक्सटाइल पार्क (mega textile park) :*** अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश को मेगा टेक्सटाइल पार्क की सौगात प्राप्त हुई है जो देश का सबसे बड़ा वस्त्र उद्योग का हब होगा। यह पार्क लखनऊ और हरदोई जिलों के बीच 1162 एकड़ (लखनऊ में 903.07 एकड़ और हरदोई में 269.09 एकड़) में बनेगा। इस मेगा टेक्सटाइल पार्क को संत कबीर पीएम मंत्री टेक्सटाइल और अपैरल पार्क लिमिटेड के नाम से जाना जाएगा । इस पार्क के बनने से जनपद लखनऊ का औद्योगिक विकास तीव्र गति से होगा।

(5) ***:- कौशल विकास और मानव संसाधन (skill development and human resources) :*** जनपद लखनऊ में उच्च शैक्षणिक संस्थान और तकनीकी संस्थान अवस्थित है जो औद्योगिक इकाइयों को कुशल श्रम शक्ति प्रदान कर सकते हैं। जनपद में कौशल विकास योजनाओं के माध्यम से औद्योगिक इकाइयों को कुशल मानव संसाधनों की आपूर्ति की जा सकती है, जिससे नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने में सहायता मिलेगी।

(6) ***:- सरकारी प्रोत्साहन और नीतियां (government incentives and policies) :*** उत्तर प्रदेश सरकार औद्योगिक विकास के लिए कई प्रोत्साहन योजनाएं और नियम लागू कर रही है, जैसे इन्वेस्ट यूपी प्रोग्राम और उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति- 2022। इन नीतियों और योजनाओं के माध्यम से टैक्स में छूट ऋण, प्राप्त करने में सुविधा, सस्ती भूमि और निवेशकों को विभिन्न सुविधाएं शामिल हैं। ये नीतियां आने वाले समय में नए औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और विस्तार में सहायक साबित होगी।

(7) ***:- उद्योगों का विविधीकरण (diversification of industries) :*** जनपद लखनऊ में पहले से ही खाद्य प्रसंस्करण, उद्योग हस्तशिल्प उद्योग, टेक्सटाइल उद्योग और चमड़ा उद्योग जैसी विभिन्न पारंपरिक उद्योगों की उपस्थिति है। इन परंपरागत उद्योगों के विस्तार के साथ-साथ ही विनिर्माण उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक्स और रसायन उद्योग, फार्मास्यूटिकल्स उद्योग और आईटी जैसे आधुनिक उद्योगों की अपार संभावनाएं व्याप्त है जो आने वाले समय में जनपद के औद्योगिक विकास में सहायक साबित होगा।

(8) ***:- विनिर्माण और निर्यात के अवसर (opportunities of export and manufacturing) :*** जनपद लखनऊ में बने उत्पादों विशेष कर चिकनकारी और हस्तशिल्प जैसे पारंपरिक उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारी मांग है। अगर एक व्यापक समेकित कार्य योजना के साथ निर्यात ढांचे को मजबूत किया जाए तो जनपद लखनऊ इन उत्पादों के निर्यात में एक अग्रणी भूमिका अदा कर सकता है जो जनपद की औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करेगा।

(9) ***:- रियल एस्टेट और औद्योगिक पार्क (real estate and industrial park) :*** जनपद लखनऊ में औद्योगिक परियोजनाओं की स्थापना के लिए पर्याप्त मात्रा में भूमि की उपलब्धता है, जिसे औद्योगिक पार्क और विशेष आर्थिक क्षेत्र में विकसित करके निवेशकों को आकर्षित किया जा सकता है जो भविष्य में जनपद लखनऊ के औद्योगिक विकास के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

(10) ***:- एक जिला एक उत्पाद योजना (one district one product scheme) :*** एक जिला एक उत्पाद योजना (ODOP) केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वाकांक्षी योजना है जिसका मुख्य उद्देश्य देश के प्रत्येक जिले में पाई जाने वाली वहां की विशेषता वाले उत्पादों को बढ़ावा देना और स्थानीय उद्योगों को सशक्त बनाना है। जनपद लखनऊ के संदर्भ में देखा जाए तो इस योजना के अंतर्गत किसी विशिष्ट उत्पाद की पहचान कर उसे प्रोत्साहित किया जा सकता है जिससे जनपद के स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को लाभ मिल सकेगा साथ ही जनपद का औद्योगिक विकास भी होगा।

EXISTING STATUS OF INDUSTRIAL AREAS IN THE DISTRICT LUCKNOW

S. No.	Name of Ind. Area	Land acquired (In acre)	Land developed (In acre)	Prevailing Rate Per Sqm (In Rs.)	No of Plots	No of Allotted Plots	No of Vacant Plots	No. of Units in Production
1	Rural Ind. Estate Talkatora	48.66	48.66	3450/-	130 31	130 31	- -	104
2	UPSIDC Ind. Area, chinhat	701.76	671.12	3800/-	146	140	06	103
3	Sarojini Nagar Industrial Estate	235.09	135.09	3300/-	150	150	08	93
4	Amausi Industrial Estate	236.90	236.90	3300/-	91	91	05	63
	Total	***1222.41***	***1191.77***	***13850/-***	***548***	***548***	***19***	***363***

Source:- DIC LUCKNOW

INDUSTRIAL SCENERIO OF LUCKNOW

Industry at a glance

Sr. No.	Head	Units	Particular
1	Registered industrial unit	No.	8836
2	Total industrial unit	No.	-
3	Registered medium and large unit	No.	13
4	Estimated avg. no. of daily worker employed in small scale industries	No.	45977
5	Employment in large and medium industries	No.	7600
6	Number of industrial area	No.	04
7	Turnover of small scale industries	In lacs	-
8	Turnover of medium and large scale industries	In lacs	-

Source:- DIC LUCKNOW

YEAR WISE TREND OF UNITS REGISTERED

Up to	Year	Number of registered unit	Employment	Investment (Lakh Rs.)
	1984-85	261	1427	638.69
	1985-86	346	1992	846.70
	1986-87	311	1561	582.25
	1987-88	396	1623	741.38
	1988-89	338	1439	632.79
	1989-90	382	1585	718.75
	1990-91	534	2176	1003.85
	1991-92	433	1822	818.76
	1992-93	475	1923	893.73
	1993-94	465	1835	874.91
	1994-95	190	1815	357.49
	1995-96	392	1570	390.95
	1996-97	173	1234	651.76
	1997-98	354	1517	662.74
	1998-99	273	1473	511.09
	1999-2000	262	1724	550.05
	2000-01	223	1825	1555.94
	2001-2002	334	2838	543.88
	2002-03	428	2815	607.53
	2003-04	365	2598	596.33
	2004-05	410	2693	567.40
	2005-06	320	1847	793.07
	2006-07	157	1708	1479.85
	2007-08	229	1484	3371.10
	2008-09	297	1336	1521.43

	2009-10	249	1718	5461.00
	2010-11	239	1875	6252
	Total	***8836***	***45977***	***33625.40***

Source:- DIC LUCKNOW

DETAILS OF EXISTING MICRO AND SMALL ENTERPRISES AND ARTISAN IN THE DISTRICT

NIC CODE NO.	TYPE OF INDUSTRY	NUMBER OF UNITS	INVESTMENT (In lakh Rs.)	EMPLOYMENT
20	Agro based	235	893	2445
22	Soda water	08	8.95	49
23	Cotton textile	04	1.83	25
24.	Woolen, silk and artificial thread based clothes	01	80.00	31
25.	Jute and jute based	03	1.38	27
26.	Ready made garments and embroidery	3808	14489.44	19813
27.	Wood and wooden based furniture	27	506.89	352
28.	Paper and paper products	296	1126.28	1541
29.	Leather based	35	133.18	207
31.	Chemical and chemical based	102	388.11	531
30.	Rubber, plastic and petro based	188	715.34	978
32.	Mineral based	159	604.99	827
33.	Metal based (Steel Fab)	41	156.00	213
35.	Engineering units	67	254.98	349
36.	Electrical machinery and transport equipment	126	479.43	656
97.	Repairing and servicing	2892	11004.06	15047
01.	Others	844	278.54	2886
	Total	***8836***	***33625.40***	45977

Source:- DIC LUCKNOW

जनपद लखनऊ में स्थित प्रमुख बड़े एवं मध्यम औद्योगिक इकाइयां :

: LARGE SCALE INDUSTRIES OR PUBLIC SECTOR UNDERTAKING :-

Hindustan aeronautics limited, Faizabad Road (Lucknow)

Scooter India limited (Government of India undertaking), Sarojini Nagar Industrial Estate (Lucknow)

Tata Motors limited, Deva Road, Chinhat (Lucknow)

प्रमुख निर्यातक वस्तुएं:- ऑटोमोबाइल व्हीकल्स एंड पार्ट्स

: MEDIUM SCALE INTERPRISES :-

UP Asbestos limited, Mohanlalganj (Lucknow)

Varuna Spinning Mills Private limited, Kanpur Road (Lucknow)

Eveready Industries India limited, Talkatora Road (Lucknow)

Shyam Vanaspati limited, Industrial Area, Amausi (Lucknow)

Organic India Private limited, Kamta, Faizabad Road Chinhat (Lucknow)

Omax Auto limited., Tata Vendor Park, Chinhat (Lucknow)

Amar Ujala Publication limited., B-5 Industrial Area, Amausi (Lucknow)

Samriddhi Cement limited., Raebareli Road (Lucknow)

Tata MarcoPolo Motor limited., Chinhat Industrial Area (Lucknow)

PTC Industries Alambagh (Lucknow)

प्रमुख निर्यातक वस्तुएं:- सिंथेटिक धागा, हर्बल प्रोडक्ट्स, इंजीनियरिंग वस्तु इत्यादि।

: SERVICES *ENTERPRISES :-*

Tata Consultancy Services

Tata Televises limited

Vodafone, Reliance, Airtel etc

: Potential Areas for Service Industries:-

Information Technology

Electricals and Electronics Services

Engineering Services

Civil Construction Services

Multiplex and Malls

Hotel, Restaurants and allied Services.

: Potentials for New MSMEs:-

Steel Fabrication, Steel Metal Components, Food and Agro based, Handicraft Sector (Chickenkari, Zardori, Bone Craft), Chemical Industries, Electricals and Herbal Products,

: जनपद लखनऊ में पाए जाने वाले प्रमुख औद्योगिक क्लस्टर:-

लखनऊ स्टील फर्नीचर क्लस्टर

लखनऊ चिकनकारी क्लस्टर

टेराकोटा क्लस्टर

प्लास्टिक इंडस्ट्री क्लस्टर

:- जनपद लखनऊ के औद्योगिक विकास में आने वाली प्रमुख बाधाएं: वैसे तो जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं व्याप्त हैं, लेकिन इसे प्रोत्साहित करने के मार्ग में कई बाधाएं हैं। क्षेत्र सर्वेक्षण और औद्योगिक इकाइयों से किए गए वार्तालाप से लखनऊ के औद्योगिक विकास में आने वाले निम्न बाधाओं का ज्ञान प्राप्त हुआ है जो जनपद के औद्योगिक विकास को प्रभावित कर सकती हैं। प्रमुख बढ़ाया इस प्रकार हैं-

(1) :- आधारभूत ढांचे का अभाव।

(2) :- पूंजी और वित्तीय संसाधनों की कमी।

(3) :- कुशल श्रम एवं कौशल विकास की कमी।

(4) :- भू संपत्ति और भूमि अधिग्रहण की समस्या।

(5) :- निवेश आकर्षित करने में कठिनाई।

(6) :- पर्यावरणीय समस्याएं और नियम।

(7) :- अन्य बाधाएं जैसे- उन्नत प्रौद्योगिकी की कमी, उच्च प्रत्यय स्पर्धा, नियामक बाधाएं और लालफ़ीताशाही, लॉजिस्टिक और परिवहन की समस्याएं तथा समेकित औद्योगिक नीति का अभाव प्रमुख है।

:- जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सुझाव: जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं। ये कदम न केवल औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने वाले आधारभूत ढांचे को मजबूत करेंगे बल्कि जनपद की आर्थिक समृद्धि और रोजगार के अवसर को भी बढ़ावा देंगे। जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित सुझाव इस दिशा में उल्लेखनीय हैं।

(1):- पारंपरिक लघु एवं मध्यम उद्योगों का विस्तार: जनपद लखनऊ के पारंपरिक लघु एवं मध्यम उद्योगों का विस्तार करके जनपद के औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जा सकता है। जनपद के पारंपरिक लघु एवं मध्यम उद्योगों में चिकनकारी उद्योग, हस्तशिल्प उद्योग, नक्काशी उद्योग, चमड़े का उद्योग आदि प्रमुख है जिनका विस्तार अति आवश्यक है।

(2):- समेकित कार्य योजना: जनपद लखनऊ को औद्योगिक हब के रूप में स्थापित करने के लिए एक व्यापक समेकित कार्य योजना की आवश्यकता है जो औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित कर सके।

(3):- आधुनिक प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढ़ावा: जनपद लखनऊ के औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए उद्योगों में नई और उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकारी और निजी साझेदारी के माध्यम से प्रौद्योगिकी हब और इनोवेशन केंद्र की स्थापना की जाए। इससे औद्योगिक विकास में सहायता मिलेगी।

(4):- आधारभूत ढांचे का विकास: जनपद लखनऊ के औद्योगिक क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी और संचार एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं का प्रयास अभाव देखा गया है अतः इन सुविधाओं का विकास किया जाए ताकि, उद्योगों

को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। जनपद लखनऊ में औद्योगिक पार्क, विशेष आर्थिक क्षेत्र और स्मार्ट औद्योगिक हब की स्थापना की जा सकती है जो औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करेगा। साथ ही सुविधाजनक लॉजिस्टिक और परिवहन का विकास किया जाए जो कच्चे मालों और उत्पादों की धुलाई आसान कर सके।

(5):- कौशल विकास और शिक्षा: जनपद लखनऊ के स्थानीय युवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास योजनाएं चलाई जाए, ताकि औद्योगिक इकाइयों को कुशल श्रम शक्ति प्राप्त हो सके। साथ ही शिक्षण संस्थानों और औद्योगिक इकाइयों के बीच साझेदारी विकसित की जाए ताकि छात्रों को उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण और रोजगार प्राप्त हो सके।

(6):- वित्तीय सहायता और कर्ज की सुविधाएं: जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास के लिए लघु और मध्यम उद्योगों के लिए आसान ऋण योजनाएं और वित्तीय सहायता प्राप्त कराया जाए ताकि वह अपने उत्पादन क्षमता का विस्तार कर सके। उद्योगों के लिए सब्सिडी और कर में छूट जैसी योजनाओं को प्रोत्साहन और अधिक प्रभावित ढंग से लागू किया जाए।

(7):- सरकारी नीतियों और प्रोत्साहन: जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास के लिए समयबद्ध और सरल मंजूरी प्रक्रिया बनाई जाए ताकि औद्योगिक इकाइयों को स्थापित करने में आने वाली जटिलताओं और लालफीताशाही को कम किया जा सके। साथ ही उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहन देने वाली विभिन्न योजनाओं और नीतियों का प्रचार-प्रसार किया जाए।

(8):- अन्य सुझाव: जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए उपरोक्त सुझावों के अतिरिक्त निम्न और सुझाव दिए जा सकते हैं जैसे- पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता, निवेश को प्रोत्साहन, निर्यात को बढ़ावा, स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प को बढ़ावा तथा समग्र औद्योगिक नीति इत्यादि।

उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए एक व्यापक कार्य योजना के साथ जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए एक समेकित औद्योगिक नीति बनाने की आवश्यकता है सरकार, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदाय के सहयोग से जनपद लखनऊ को एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है।

:- निष्कर्ष (conclusion) : जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास और उसकी संभावनाओं पर किए गए इस शोध अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि जनपद में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं व्याप्त है। वर्तमान समय में जनपद लखनऊ में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, हस्तशिल्प उद्योग, टेक्सटाइल उद्योग और चमड़ा उद्योग जैसे पारंपरिक उद्योगों के साथ ही आधुनिक उद्योगों में विनिर्माण उद्योग, आईटी उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक्स और रसायन उद्योग ने लखनऊ की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया है। इसके साथ ही जनपद लखनऊ का भौगोलिक स्थान, उत्तर प्रदेश की राजधानी होने का विशेष दर्जा, आधारभूत सुविधाएं और अन्य क्षेत्रों से कनेक्टिविटी की सुविधा इसे एक प्रमुख औद्योगिक हब के रूप में विकसित करने के लिए आदर्श बनती हैं।

हालांकि जनपद लखनऊ के औद्योगिक विकास के मार्ग में कुछ प्रमुख चुनौतियां भी हैं जिसमें आधारभूत ढांचे की कमी, पूंजी और वित्तीय संसाधनों की अपर्याप्तता, पर्यावरणीय समस्याएं, भू संपत्ति और भूमि अधिग्रहण की समस्या, उच्च प्रति स्पर्धा, नियामक बाधायें और लाल फीताशाही तथा समेकित औद्योगिक नीति का अभाव शामिल है। उपरोक्त समस्याओं के समाधान के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयास जैसे स्मार्ट सिटी योजना, मेगा टेक्सटाइल पार्क, एससीआर प्रोजेक्ट, इन्वेस्ट यूपी प्रोग्राम, औद्योगिक क्षेत्रों का विकास, निवेशकों के लिए प्रोत्साहन योजनाएं तथा उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति- 2022 सकारात्मक दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भविष्य की संभावनाओं की दृष्टिकोण से जनपद लखनऊ के औद्योगिक विकास में उच्च कौशल वाले श्रमिकों की उपलब्धता, डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग और नए औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए सरकार द्वारा प्रोत्साहन मुख्य भूमिका निभाएंगे। इसके अतिरिक्त क्षेत्र के स्थानीय युवाओं के लिए कौशल विकास और व्यावसायिक शिक्षा पर ध्यान देकर उन्हें औद्योगिक क्षेत्र में शामिल किया जा सकता है, जिससे रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे।

कुल मिलाकर देखा जाए तो जनपद लखनऊ में औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएं व्याप्त है, और यदि सही नीतियों, योजनाओं, व्यापक कार्य योजना, समेकित औद्योगिक नीति और आधारभूत ढांचे में सुधार पर ध्यान दिया जाए तो जनपद लखनऊ एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित हो सकता है। साथ ही सरकार, औद्योगिक घरानों और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से जनपद लखनऊ न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि की देश के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर सकता है।

:- संदर्भ ग्रंथ सूची (bibliography) :

डॉ० लोढ़ा राजमल एवं माहेश्वरी दीपक (2016) "औद्योगिक भूगोल" राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी जयपुर।

डॉ० सिंह जगदीश एवं काशीनाथ सिंह (1967) "आर्थिक भूगोल के मूल तत्व" वसुंधरा प्रकाशन गोरखपुर।

डॉ० त्रिपाठी, बी०वी० "भारतीय अर्थव्यवस्था: नियोजन एवं विकास"।

डॉ शैलेंद्र कुमार सिंह (2018) "उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास में लघु एवं ग्रामीण उद्योगों का योगदान : जनपद इलाहाबाद पर आधारित शोध प्रबंध" IJCRT 6(2):598-603

मनोज कुमार (2020) "जेपी नगर अमरोहा में कुटीर एवं लघु उद्योग का परिदृश्य तथा पर्यावरणीय तत्वों पर प्रभाव" IJRAR 7(1):598-604

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी विभिन्न प्रशासन एवं रिपोर्ट।

उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड लखनऊ के प्रतिवेदन।

कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, कैसरबाग (लखनऊ)।

Https://invest.up.gov.in

Https://pib.gov.in

Https://www.diupmsme.upsdc.gov.in

Https://niveshmitra.up.nic.in

Https://Lucknow.nic.in

Https://planning.up.nic.in